



हौसलों को मिला पंख, आगे रंगिल है अभी बाकी...

સમજાન પાકર ચહકે વિદ્યાર્થી

सीबीएसई, आइसीएसई व जैक
बोर्ड की 10 वीं और 12 वीं में बेहतर
करने वाले 400 से अधिक मेधावी
विद्यार्थियों को मेडल और प्रमाण पत्र
देकर सम्मानित किया गया

.....
गेविरीता। शहर के मुंद्रित दीनदयाल

हॉल में शुक्रवार को प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। मौके पर 400 से अधिक मेधावी विद्यार्थियों को मेडल और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। सम्मान पाकर मेधावी विद्यार्थी काफी खुश हुए। कहा कि सम्मान से जीवन में बड़ा बदलाव आएगा। साथ ही संघर्ष की भी प्रेरणा मिलेगी। राष्ट्रीय नवीन मेल प्रतिभा सम्मान समारोह में सीबीएसइ, आईसीएसइ व जैक बोर्ड की 10 वीं, 12वीं में सफल सम्मान पाकर मेधावी विद्यार्थी काफी उत्साहित दिखे। प्रतिभा सम्मान समारोह की शुरूआत स्तरोन्नत बालिका उच्च विद्यालय चिंयाकी की छात्रा माया कुमारी के सरस्वती वंदना से हुई। इसके बाद संत मरियम आवासीय स्कूल की छात्राओं में स्नेहा, अंशिका, आराधना, साक्षी, नेहा, फिदा, वैष्णवी ने अतिथियों का स्वागत गान के साथ स्वागत किया। स्तरोन्नत उच्च विद्यालय चिंयाकी की चंदा, कुमारी, सुचिता कुमारी, अंजनी कुमारी, सोनी कुमारी, अंचिता मिंज, राखी कुमारी ने सामूहिक आकर्षक नागरुगी नृत्य पेश कर कार्यक्रम में शम्पा बांध दिया। कार्यक्रम का उदघाटन प्रभंडलीय आयुक्त बालिकिशुन मुंडा, उपविकास आयुक्त शब्दीर अहमद, हुसैनाबाद एसडीओ पीयूष सिन्हा, डीईओ दुर्गानंद झा, एमकेडीएवी पब्लिक स्कूल के प्राचार्य डॉ. जीएन खान, विमला पांडेय मेमोरियल ज्ञान निकेतन स्कूल के निदेशक बलीराम शर्मा, संत मरियम आवासीय स्कूल के निदेशक अविनाश देव, पर्यावरण विद् कौशल किशोर जायसवाल, ग्रासिम इंडस्ट्रीज लिमिटेड के यूनिट हेड हिंटेंद अस्थी, राष्ट्रीय नवीन मेल के स्थानीय संपादक राणा अस्त्वा सिंह ने संयुक्त रूप से दीप जलाकर कार्यक्रम का उदघाटन किया। इस दौरान पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति हॉल 10 वीं, 12 वीं के सफल विद्यार्थियों के तालियों की गढ़गढ़ाट से गुज़ता रहा।



इंडिया

झारखंड में अवैध घुसपैठ राजनीति या खतरनाक फसाना?

विधानसभा चुनाव झारखंड और इलाकों में घुसपैठ, तके मुद्दे जोर पकड़ रहे हैं।

राजमहल, गाड़ी और
में अवैध रूप से ब
अलग-अलग माध्य
मिलती रहती हैं। इन
ने बृहस्पतिवार को
में उचित हलफनामा
के लिए राज्य सरकार
मुख्य न्यायाधीश न
षाढ़ी और न्यायमुद्रा
की खंडपीठ ने इसका
दुमका, साहिबांज,
के उपायुक्तों को
अवैध प्रवासियों का



रिपोर्ट पश का आदेश दिया था। अदालत ने इस मामले में संथाल परगना के छः जिलों के पुलिस अधीक्षकों को आदेश दिया था कि वे अवैध प्रवासियों की स्थिति के बारे में उपायुक्त को जानकारी दें, जिससे वह रिपोर्ट तैयार कर सकें। अदालत ने राज्य के मुख्य सचिव को भी निर्देश दिया था कि वे उपायुक्त के साथ मिलकर इस स्थिति पर रिपोर्ट तैयार करें। अदालत को बताया गया कि उपायुक्त ने हलफनामा दाखिल नहीं किया बल्कि अधीनस्थ अधिकारियों द्वारा दाखिल किया गया गया जिसमें घुसपैठ नहीं होने और इन क्षेत्रों में मरसेस पहले से होने की बात कही गई थी। पीठ ने हलफनामा स्वीकार करने से इनकार कर दिया और उन्हें नए सिरे से दाखिल करने का आदेश दिया। पीठ ने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि यह बहुत गंभीर मामला है और उपायुक्त द्वारा का गंभीर इस तरह की कार्रवाई अदालत को गुमराह करने के लिए की गई प्रतीत होती है संतालपुर गणना इलाके के साहिबगंज व पाकुड़ जिले में आदिवासियों की जनसंख्या में लगातार कमी आने वे मुस्लिमों की जनसंख्या में वृद्धि होने का मामला 2022 में गोड़ा सांसद डा. निशिकांत दुबे ने लोकसभा में उठाया था। उन्होंने केंद्र सरकार का ध्यान आकृष्ण कराते हुए कहा कि 1901 में साहिबगंज जिले में आदिवासियों की जनसंख्या 35 प्रतिशत थी, जबकि मुस्लिमों की जनसंख्या मात्र 9 प्रतिशत ही थी। आज आदिवासियों की जनसंख्या महज 24 प्रतिशत रह गई है, वहीं दूसरी ओर मुस्लिमों की जनसंख्या 9 से बढ़कर 35 प्रतिशत पहुंच गई है। निशिकांत कहा कि पूरे राज्य की यही स्थिति है। इसके

वजह से क्षेत्र की डेमोग्राफी भी बदल रही है। उन्होंने बताया था कि आदिवासियों की जनसंख्या में लगातार कमी आने की वजह से ही पूरे देश में लागू होने के बाद भी झारखण्ड में परिसीमन लागू नहीं हो पाया है। आदिवासियों की जनसंख्या में कमी आने की वजह से उनके लिए आरक्षित लोकसभा की एक विधानसभा की तीन सीट में कमी आ रही है। संथाल में बांगलादेशी घुसपैठ को लेकर लगातार राजनीति भी गरम होती जा रही है। पूर्व में बांगलादेशी घुसपैठियों को लेकर झारखण्ड पुलिस का स्पेशल ब्रांच भी अलर्ट जारी कर चुका है। 2001 की जनगणना में दुमका की जनसंख्या 11 लाख 7 हजार के करीब जो 2011 में बढ़कर लगभग 14 लाख हो गई। आंकड़े बताते हैं कि संथाल के सभी 6 जिलों में 12 लाख से ज्यादा नई आबादी बस गई है। भाजपा का कहना है कि संथाल में सबसे ज्यादा मुस्लिम आबादी पाकुड़ में करीब 40 प्रतिशत बढ़ी है। वहीं, साहिबगंज में मुस्लिम आबादी में 37 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। भाजपा का कहना है कि संथाल परगना के छह जिलों में बांगलादेशी घुसपैठियों को बसाने में वहाँ

के जमीन दलालों की सबसे बड़ी भूमिका है। गिफ्ट डीड के जरिए जमीन दलाल बांगलादेशियों को बसा रहे हैं। आंकड़े बताते हैं कि झारखण्ड गठन के बाद संथाल परगना में जमावंदी की गई जमीन खरीदने वालों की संख्या में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है। 13 दिसंबर, 2023 को भारत सरकार के गृह मंत्रालय ने दस्तावेज जारी कर बताया था कि 120 से ज्यादा नकली वेबसाइट के जरिए नकली वर्थ सर्टिफिकेट बनाए जा रहे हैं। इसमें झारखण्ड को लेकर विशेष रूप से सतर्क किया गया था। दो जून, 2023 को झारखण्ड पुलिस के स्पेशल ब्रांच ने सभी जिलों के पुलिस कप्तान और डीसी को एक पत्र लिखा था कि संथाल परगना क्षेत्र में बांगलादेशी घुसपैठियों के प्रवेश करने की सूचना है और बांगलादेशी घुसपैठियों को पहले विभिन्न मदरसों में ठहराया जाता है, इसके बाद उनका सरकारी दस्तावेज तैयार किया जाता है और उनका नाम मतदान मतदाता सूची में शामिल कर लिया जाता है। मतदाता सूची में शामिल होने के बाद साजिश के तहत उन्हें वहाँ बसा दिया जाता है।

विद्यार्थी जीवन तप, त्याग और संघर्ष का होता है : आयुक्त

कार्यक्रम में प्रमंडलीय आयुक्त बालिकशुन मुंदा ने कहा कि विद्यार्थी जीवन तप व संघर्ष का होता है। सरकार के स्तर पर शिक्षा में 90 प्रतिशत का सहयोग दिया जा रहा है। केवल पढ़ने से ही नहीं होता जीवन में संस्कार का भी होना बेहद जरूरी होता है। माता, पिता, गुरु का सम्मान जीवन में अशय करना चाहिए। उन्होंने कहा कि सफलता की चोटी पहुंचने पर भी नम्र बने रहना चाहिए। पढाइ का जो भी टारगेट रखें हैं उसे जरूर पूरा करने का प्रयास करें। जीवन में हर जगह पर संघर्ष है, लेकिन संघर्ष से घबराना नहीं चाहिए। उन्होंने कहा कि आगे मुकाम हासिल करने के लिए विद्यार्थियों को कड़ी मेहनत करने की जरूरत है। ऐसे आयोजनों से विद्यार्थियों का होसला बढ़ता है। सबसे बड़ी बात बच्चों ने मेहनत की। इसके लिए आप सभी लकड़ी हैं। बच्चों की इस जीवन में सबसे अहम भूमिका अभिभावकों की रही। साथ ही बच्चों को गढ़ने में शिक्षकों का भी बहुत बड़ा योगदान है। उन शिक्षकों के लिए सम्मान का अवसर है, जिनके विद्यार्थियों ने बेहतर किये और राष्ट्रीय नवीन मेल ने इस मंच में आकर सम्मानित हो रहे हैं। बच्चे सीबीएसई, आइसीएसड व जैक बोर्ड से पढ़कर बेहतर कर रहे हैं, लेकिन सबका लक्ष्य एक ही है। बच्चों ने अभी पहली सीढ़ी चढ़ी है। आगे का सफर बाकी है। लड़कियां भी किसी से कम नहीं हैं। आज के दौर में लड़कियां सफलता अर्जित कर आत्मनिर्भर बन रही हैं। ऐसे सभी किसी से अपेक्षा किये बिना आत्मनिर्भर लड़कियां आत्मनिर्भर हो रही हैं।





अभिभूत करने वाला क्षण : काजल कुमारी

कस्तुरा गांधी आवासीय विद्यालय पाठौ की छात्रा काजल कुमारी ने कहा कि राष्ट्रीय नवीन मेल ने ग्रामीण क्षेत्रों के छात्र-छात्राओं को जो अवसर दिया है। वह अभिभूत करने वाला है।

इस पल को जीवन में नहीं भूल सकती : करुणा कुमारी

कस्तुरा गांधी आवासीय विद्यालय पाठौ की छात्रा करुणा कुमारी ने कहा कि यह पल इनके पूरे परिवार के लिए गौरवान्वित करने वाले हैं। इस दिन को वह जीवन में कभी भी नहीं भूल सकती हैं।

मील का पत्थर साबित होगा यह पुरस्कार : साक्षी कुमारी

सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस की छात्रा साक्षी कुमारी ने कहा कि राष्ट्रीय नवीन मेल अखबार का यह प्रयास छात्रों के जीवन में मील का पत्थर साबित होगा।

माता, पिता को समर्पित पुरस्कार : काजल दुबे

सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस की छात्रा काजल दुबे ने कहा कि वह अपने माता-पिता को यह सम्मान समर्पित करती है।

ग्रामीण क्षेत्रों की प्रतिभा को मिला सम्मान : शिल्पी कुमारी

कस्तुरा गांधी आवासीय विद्यालय ऊटाई की छात्रा शिल्पी राणी कुमारी ने कहा कि उक्षेत्र प्रदर्शन करने के बावजूद ग्रामीण क्षेत्र के छात्रों की प्रतिभा को उचित सम्मान नहीं मिल पाता। राष्ट्रीय नवीन मेल अखबार जो कर दिखाया।

सम्मान प्राप्त कर बेहद अभिभूत हूँ : चांदनी कुमारी

कस्तुरा गांधी आवासीय विद्यालय लेस्टींग्ज की छात्रा चांदनी कुमारी ने कहा कि नवीन मेल से मिला यह सम्मान प्राप्त कर वह अभिभूत है। उन्हें ये सम्मान नया हौसला देगा।

सम्मान पाकर गौरवान्वित हूँ : संध्या कुमारी

कस्तुरा गांधी आवासीय विद्यालय लेस्टींग्ज की छात्रा संध्या कुमारी ने कहा कि वह ग्रामीण परिवेश से आती है। उनके गांव में अब तक शिक्षा से जुड़ा ऐसा सम्मान नहीं मिला है। इस सम्मान को पा कर वह बेट गौरवान्वित महसूस कर रही हैं।

शिक्षकों प्रयास से सम्मान की हकदार बनी : साक्षी कुमारी

प्लास टू विद्यालय लेस्टींग्ज की छात्रा साक्षी कुमारी ने कहा कि शिक्षकों के मार्ग दर्शन से उन्हें इस सम्मान समारोह का हिस्सा बनाने का अवसर मिला है।

राष्ट्रीय नवीन मेल ने हौसला बढ़ाया : अविनाश गिरि

प्लास टू विद्यालय उच्च विद्यालय की छात्र अविनाश गिरि ने कहा कि राष्ट्रीय नवीन मेल यह कार्यक्रम छात्रों का हौसला बढ़ाने में काफी सहायक सिद्ध होगा।

सम्मान पाने की उम्मीद नहीं थी : पूजा कुमारी

कस्तुरा गांधी आवासीय विद्यालय विश्वामित्र की छात्रा पूजा कुमारी, जिन्हि कुमारी ने बताया कि उन्हें ऐसा सम्मान पाने की उम्मीद नहीं थी। इस सम्मान के लिए वह राष्ट्रीय नवीन मेल अखबार की आभासी है।



छात्र अपने अंदर की प्रतिभा जगाएं और आगे बढ़ें: डीडीसी

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। विशिष्ट अतिथि उपचिकास आयुक्त शब्दवीर अंदर ने कहा कि प्रतिभावान विद्यार्थियों को गण्डीय नवीन मेल सम्मानित कर रहा है। यह खुद में एक विशेष है। प्रतिभावान बच्चों को आज अपने परिणाम का इनाम मिल रहा है, पर जो बच्चे आज यहां जगह नहीं बन चाहे हैं, उन्हें इनसे सीखने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि चुनौती कोई भी हो, प्रयास से उसे दूर किया जा सकता है। यह कार्यक्रम इनी बात का ग्रामांश है। अपने अंदर की प्रतिभा को जगाएं और लक्ष्य निर्धारित कर आगे बढ़ें।

ऐसे में हमेशा नया मुकाम मिलता रहेगा। उन्होंने कहा कि आज जानकर बहुत हर्ष हो रहा है कि गण्डीय इलाकों के बच्चे अच्छा अंक लाकर अपनी पहचान बना रहे हैं। लगातार प्रयास से इस तरह की सफलता प्रतिभा मेलती है। बच्चों का मेहनत, अभिभावकों का सहयोग व शिक्षकों के मार्गदर्शन को स्पष्टाने का अवसर है। जिन बच्चों ने 10 वीं, 12 वीं में सर्वोच्च स्थान लाये हैं। परीक्षा में बेहतर किये हैं, उन सभी अभिभावकों को नमन है। गवर्नर की अनुभूति हो रही है कि ऐसे होनाहर पल-बढ़कर बेहतर परिणाम दे रहे हैं। कैसे बेहतर माहौल मिले, पढ़कर मुकाम हासिल करें।



प्रतिभा समान समायोह में छात्र और छात्राओं को संबोधित करते हुए उप विकास आयुक्त।

गुरुओं की शिक्षा सफल होने के लिए महापुरुषों की जीवनी पढ़े : डॉ. जीएन खान

मेदिनीनगर। एम्पेडीएवी पब्लिक स्कूल के प्राचार्य डॉ. जीएन खान ने कहा कि विद्यार्थियों जीवन तप का होता है। पढ़ाई से कभी पैछे नहीं भगवा चाहिए। जीवन 10 वीं व 12 वीं के बाद पढ़ाई टॉपिंग प्लाइंट हो जाता है। यह समय होता है जब विद्यार्थियों को अपने के लिए स्वयं रसता तय करना होता। इसलिए रसता हमेशा रुची के अनुसार तय करना चाहिए। जिस भी विषय में रुची हो उसी विषय की पढ़ाई करना चाहिए। इससे सफलता निश्चित रूप से मिलेगी। उन्होंने अभेद्यक के राष्ट्रपित अब्राहम लिंकन की जीवन पर विस्तार से प्रकाश डाला। उनकी जीवनी से प्रेरणा लेने की बात कही। कहा कि जीवन में अगर आगे बढ़ना है तो अनुसार लिंकन, सुधार चंद्र बोस, स्वामी विवेकानन्द, राष्ट्रपिता महात्मा गांधी पर लिये गई पुस्तकों को जरूर पढ़ना चाहिए। इससे आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलने के साथ आत्मबल बढ़ेगा।

आत्म चिंतन करें आत्म अभिमानी नहीं बनें : डीईओ

मेदिनीनगर। जिला शिक्षा पदाधिकारी दुर्गानंद ज्ञा ने कहा कि राष्ट्रीय नवीन मेल द्वारा 10 वीं, 12 वीं के सफल विद्यार्थियों को पुरुषत करना अच्छा प्रयास है। विद्यार्थियों को जीवन में अगर आगे बढ़ना है तो पढ़ाई पर ज्यादा ध्यान देना होगा। उन्होंने कहा कि अपने बच्चों के दौर में बच्चे ज्यादा परस्परें जल ले रहे हैं, लेकिन वह किताब से दूर हो रहे हैं। ज्यादातर बच्चे गुगल व यू ट्यूब आदि का सहाय लेकर पढ़ाई कर रहे हैं। बच्चों को अपने कक्षा के किंतु वे पर ज्यादा से जाना ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि आत्म चिंतन केंद्र आत्म अभिमानी नहीं बने। जीवन में जीत अधिक नम्र बनें उतना ही आगे बढ़ें। उन्होंने कहा कि जीवन में जब भी संकट व मुश्किल आए कभी भी निराश व हताश नहीं होना चाहिए। सफलता पाने के लिए धैर्य बहुत ही जरूरी है।

ईमानदारी पूर्वक किया गया मेहनत व्यर्थ नहीं जाता : हितेंद्र अवस्थी

युनिट हेड ग्रामीण इंडस्ट्रीज लिमिटेड के हितेंद्र अवस्थी ने कहा कि राष्ट्रीय नवीन मेल अख्यात द्वारा इस प्रकार का कार्यक्रम करना बहुत ही अच्छी पहल है।

विद्यार्थियों को उत्साह बढ़ाने से उत्कृष्ट अंदर भी आगे बढ़ने की लालसा जगेगी। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के बाद आगे करने के लिए व्यापक विद्यार्थी जीवन में अगर आगे करना चाहिए।

विद्यार्थियों के यह 10 वीं व 12 वीं पास करने के बाद आगे किस क्षेत्र में पढ़ाई करना है, इसका चयन कर लेना चाहिए। मेहनत किया हुआ प्रयास कभी भी बेकार नहीं जाता है। जीवन में अगर आगे बढ़ना है तो मेहनत इमानदारी से करना चाहिए। सफलता निश्चित रूप से कदम चुम्हें। उन्होंने के जीवन में माता, पिता व गुरु का हमेशा सम्मान करना चाहिए। माता, पिता जीवन के पहले पाठशाला होते हैं। उनके बाद स्कूल के शिक्षक विद्यार्थियों का जीवन संवर्तते हैं।



मेदिनीनगर। सम्मानित होनेवाले विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय नवीन मेल के इस प्रोत्साहन कार्यक्रम को जीवन में बदलाव और संघर्ष के लिए ताकत बताया। विद्यार्थियों ने कहा कि अपने लक्ष्य को प्राप्त करने में राष्ट्रीय नवीन मेल का यह अवार्ड हमेशा सहायक बनेगा। गिरिहर इंटर्नेशनल स्कूल 12 वीं की सिया कुमारी ने कहा कि राष्ट्रीय नवीन मेल ने सम्मान देकर छात्रों में उत्साह पैदा किया है। सम्मान प्राप्त होने से शिक्षा के क्षेत्र में एक नयी ऊर्जा मिली है। इस सम्मान से अभिभावकों ने भी गौरवान्वित महसूस किया

है। आगे वाले समय में इस ऊर्जा के साथ आगे बढ़ेंगे। प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी करना अगला लक्ष्य है, जिसे पूरा करेंगे। वहीं, ब्राडस्ट्रीट स्कूल के 10 वीं के उत्तरवाल कुमार ने कहा कि आज का दिन सुंदर यादों के साथ जीवन में रहेगा। राष्ट्रीय नवीन मेल हमेशा छात्रों को प्रोत्साहित करने के लिए ऐसा आयोजन करता है। सम्मान प्राप्त होने से शिक्षा के क्षेत्र में एक नयी ऊर्जा आयेगी। इस ऊर्जा के साथ आगे करियर में इंजीनियरिंग की तैयारी करनी है व जिले का नाम दोशन करना है।

राष्ट्रीय नवीन मेल ने प्रेरणा का सुंदर प्लेटफॉर्म दिया

ब्राइट लैंड स्कूल 12 वीं की आयुर्वी सिंह ने राष्ट्रीय नवीन मेल के सम्मान समारोह का आवाजन कर बच्चों को सुन्दर प्लेटफॉर्म दिया है। इस सम्मान से छात्रों में नयी ऊर्जा के साथ-साथ दूसरे छात्रों को प्रेरणा भी प्रियोंगी। समारोह में शिक्षक एवं अभिभावकों ने कहा कि इन्होंने करियर वर्क बनाकर देखा करना चाहती है। मैं अपने करियर वर्क में डॉक्टर बनकर देखा करना सेवा करना चाहती है। वहीं, संत मरियम आवासीय स्कूल 12 वीं के सेजल कुमार गुप्ता ने कहा कि कठिन प्रश्न के बाद अगर सफलता मिलने पर राष्ट्रीय नवीन मेल जैसे मंच पर सम्मान मिलना एक नयी ऊर्जा पैदा करता है। इस समारोह में सम्मान मिलना एक बड़ी उपलब्धि है। आगे यूपीएससी की तैयारी करना लक्ष्य निर्धारित है।

ब्राइट स्कूल 12 वीं की सलानी कुमारी ने कहा कि राष्ट्रीय नवीन मेल के प्रसाद से इस प्लेटफॉर्म को सम्पूर्ण रूप से उत्कृष्ट बनाना चाहिए।

प्रेरणा के बाद आगे करने के लिए व्यापक विद्यार्थी जीवन में अगर आगे बढ़ना है तो उत्साह बढ़ाना चाहिए। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी जीवन में अगर आगे बढ़ना है तो उत्साह बढ़ाना चाहिए। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी जीवन में अगर आगे बढ़ना है तो उत्साह बढ़ाना चाहिए। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी जीवन में अगर आगे बढ़ना है तो उत्साह बढ़ाना चाहिए।

विद्यार्थियों के यह 10 वीं व 12 वीं पास करने के बाद आगे किस क्षेत्र में पढ़ाई करना है, इसका चयन कर लेना चाहिए। जीवन में अगर आगे बढ़ना है तो मेहनत इमानदारी से करना चाहिए। सफलता निश्चित रूप से कदम चुम्हें। उन्होंने के जीवन में माता, पिता व गुरु का हमेशा सम्मान करना चाहिए। माता, पिता जीवन के पहले पाठशाला होते हैं। उनके बाद स्कूल के शिक्षक विद्यार्थियों का जीवन संवर्तते हैं।

स्थानीय संपादक ने कार्यक्रम की शुरुआत की

कार्यक्रम की शुरुआत स्थानीय संपादक राणा अल्पानन्द सिंह ने स्वागत भाषण से लेयर के लिए उप विकास आयुक्त निश्चित रूप से प्रकाश दिया। उन्होंने कहा कि प्रकाश दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि आज विकास दिया जाना चाहिए।

स्थानीय सोच के साथ आगे बढ़ें : अविनाश देव

मेदिनीनगर। संत मरियम आवासीय स्कूल के निदेशक अविनाश देव ने कहा कि यह सम्मान बच्चों के जीवन की शुरुआत है। आगे कई मुकाम मिलता होता है। व्यवसायिक शिक्षा हासिल कर बच्चे अंक लाकर अपनी पहचान बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि जीवन की शुरुआत है। उन्होंने कहा कि जीवन की शुरुआत है। उन्होंने कहा कि जीवन की शुरुआत है। उन्होंने कहा कि जीवन की शुरुआत है।

विद्यार्थी भविष्य में बेहतर करें : आरीष दुबे

मेदिनीनगर। सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस (केंजी स्कूल) के ग्राचार्य आशीष कुमार दुबे ने कहा कि यह सम्मान बच्चों के लिए चैलेंज है, ताकि बच्चे भविष्य में और बेहतर करें। समाज व देश को सही दिशा में आगे ले जायें। बच्चों को सिफे पढ़ाई के प्रति इमानदार रहना चाहिए। सुंदर व स्वच्छ समाज में उनकी सहभागिता होने के साथ सभी सफल छात्रों व प्रतिभावितों आगे यह उनकी शुभकामनाएँ हैं। उन्ह

पेरिस ओलंपिक में कर्णपा अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन : सुखजीत सिंह

देश के लिए 70 मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने 20 प्रभावशाली गोल किए हैं

एंजेसी। नई दिल्ली

करियर का खतरे में डालने वाली चोट से उबरने से लेकर पेरिस 2024 ओलंपिक के लिए भारतीय पुरुष हॉकी टीम में जगह बनाने तक, सुखजीत सिंह का सफर किसी प्रेरणा के लिए नहीं रहा है।

2022 में राष्ट्रीय टीम में पदार्पण के बाद से, सुखजीत ने देश के लिए 70 मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने 20 प्रभावशाली गोल किए हैं।

हालांकि, 28 वर्षीय फॉरवर्कर का रास्ता आसान नहीं रहा है

क्योंकि इस प्रतिष्ठित मंच तक पहुंचने के लिए, उन्हें कई चुनौतियों और वाधाओं का सामना करना पड़ा है। अब, वह तुलिया के सबसे बड़े मंच पर अपनी पहचान बनाने के लिए, अपने पहले ओलंपिक में खेलने की तैयारी कर रहा है।

आगामी ओलंपिक के बारे में

अपनी उत्सुकता व्यक्त करते हुए

सुखजीत ने हाँकी इंडिया के हवाले से कहा, ओलंपिक में

यह अवसर पाकर गर्व महसूस हो रहा है। मेरा माना है कि मेरी कड़ी मेहनत और समर्पण ने मुझे दिलाई है।



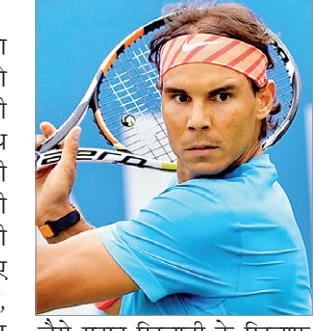
खेलना हमेशा से मेरे और मेरे परिवार के लिए एक सपना रहा है। यह किसी भी एथलीट के करियर का शिखर होता है और मुझे यह अवसर पाकर गर्व महसूस हो रहा है। मेरा माना है कि मेरी कड़ी मेहनत और समर्पण ने मुझे अपनी धूमिका को बहरीन तरीके से निभाने और पेरिस में अपनी धूमिका को बहरीन तरीके से निभाने और पेरिस में अपना सर्वश्रेष्ठ देकर अपने कोच और साथियों के घरेस पर खास उत्सर्वे के लिए दृढ़ संकल्पित हूं। पिछले दो वर्षों में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

राफेल नडाल ने कैमरून नोरी को हराया

एंजेसी। बास्टाड

चौदह बार के फ्रैंच ऑपन विजेता राफेल नडाल ने गुरुवार को बास्टाड ऑपन में कैमरून नोरी पर 6-4, 6-4 से जीत के साथ अपनी ओलंपिक तैयारियां जारी रखीं। 38 वर्षीय स्पेनिश खिलाड़ी ने स्ट्रीडिश करों को कोर्ट पर जीत की राह पर वापसी जारी रखते हुए क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया, उन्होंने वर्ष की अपनी नौवीं ट्रॉफी की राह पर जीत की। वह अंगूल में मैट्रिड ऑपन के अंतिम-16 में पहुंचने के बाद उनकी पहली बार लगातार दो जीत थी।

मैच के बाद नडाल ने कोर्ट पर अपने साक्षात्कार के दौरान कहा, अब बहुत अच्छा लग रहा है, मैं रोलांड गैरोस के बाद से दूर पर नहीं खेला हूं और मुझे कैमरून



जैसे महान खिलाड़ी के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करने का मौका मिला। युंग लगता है कि मैं कुछ पलों के लिए अच्छा खिलाड़ी रहता। नडाल का अगला ट्रॉफी क्वार्टरफाइनल में मारियानो नोवोन से होगा, इससे पहले चौथे वरीय अंजीटीना के खिलाड़ी ने भारत के सुमित नागल को सीधे सेटों में हराया था।

ईस्ट बंगल ने जैक्सन सिंह के साथ किया

चार साल का कारार

कोलकाता। ईस्ट बंगल ने शुक्रवार को केरल ब्लास्टर्स से भारतीय मिडफील्डर जैक्सन सिंह थोउजानोजे औंजेट के साथ चार साल का कारार किया है। जैक्सन की सेवाओं के लिए ईस्ट बंगल द्वारा भुगतान की गई ट्रॉफीफर फॉन का खुलासा नहीं जाना गया। मध्यपुर से जीते के बाले जैक्सन पिछले दो वर्षों से भारतीय राष्ट्रीय टीम के मिडफील्ड में मुख्य खिलाड़ी रहे हैं। 2023 वर्षीय डिफेंसिव मिडफील्डर ने अब तक राष्ट्रीय टीम के लिए 22 मैच खेले हैं और ब्लू टाइम्स की विजयी सैफ जीत की। अंगूल में मैट्रिड ऑपन के अंतिम-16 में पहुंचने के बाद उनकी पहली बार लगातार दो जीत थी।

मैच के बाद नडाल ने कोर्ट पर

अपने साक्षात्कार के दौरान कहा, अब बहुत अच्छा लग रहा है, मैं रोलांड गैरोस के बाद से दूर पर नहीं खेला हूं और मुझे कैमरून

खेल

खेल मंत्री मनसुख मंडाविया ने ओलंपिक के लिए भारतीय दल को दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली। केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मंडाविया ने पेरिस 2024 ओलंपिक के लिए भारतीय पुरुष हॉकी टीम में जगह बनाने तक, सुखजीत सिंह का सफर किसी प्रेरणा के लिए नहीं रहा है। 2022 में राष्ट्रीय टीम में पदार्पण के बाद से, सुखजीत ने देश के लिए 70 मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने 20 प्रभावशाली गोल किए हैं।

के स्थान पदक विजेता और पूर्व रजा पदक विजेता दिस्कस विश्व नंबर-1 डबल ट्रॉफी शूटर थ्रोअर योगेश कथनिया ने यहाँ रोजन सोंदा, गोदांडल खेलों के स्वयंपात्र मुख्यकार्य अधिकारी 2024 से पहले ओलंपिक कार्य संस्करण के बाद से, जारी की विश्व कप विजेता टीम के स्थान भाला फैक्ट चैम्पियन देवेंद्र जावाहिया और टोक्यो ओलंपिक में खेलने के लिए एक इंटरविव त्रैमासिक अंदरूनी व्यापार के लिए एक इंटरविव सत्र में भाग लिया।

एंजेसी। नई दिल्ली

हार्दिक पांड्या और संविवाद पौडल नताशा स्टेनकोविक के बीच चिवाहित रिश्ता खत्म हो गया है। स्टार क्रिकेटर ने आखिरकार अमाल होने की पुष्टि कर दी है।

पांड्या और नताशा ने मई, 2020 में कोर्ट मैरिज की थी।

शादी के साथ महीने के बाद

नताशा ने बेटे को जन्म दिया

था, जिसका नाम अगस्त है।

पांड्या और नताशा अपने बेटे

के साथ सोशल मीडिया पर

स्फीन शॉट शेयर कर

दी जानकारी

हार्दिक-नताशा का रिता खत्म

एंजेसी। नई दिल्ली

हार्दिक पांड्या और संविवाद पौडल नताशा

स्टेनकोविक के बीच चिवाहित रिश्ता खत्म

हो गया है। स्टार क्रिकेटर ने आखिरकार

सोशल मीडिया पर एक पोस्ट डालकर

अमाल होने की पुष्टि कर दी है।

पांड्या और नताशा ने मई,

2020 में कोर्ट मैरिज की थी।

शादी के साथ महीने के बाद

नताशा ने बेटे को जन्म दिया

था, जिसका नाम अगस्त है।

पांड्या और नताशा अपने बेटे

के साथ सोशल मीडिया पर

अमाल तक खत्म हो गया है।

स्टार क्रिकेटर ने आखिरकार अमाल होने की पुष्टि कर दी है।

पांड्या और नताशा अपने बेटे

के साथ सोशल मीडिया पर

अमाल तक खत्म हो गया है।

पांड्या और नताशा अपने बेटे

के साथ सोशल मीडिया पर

अमाल तक खत्म हो गया है।

पांड्या और नताशा अपने बेटे

के साथ सोशल मीडिया पर

अमाल तक खत्म हो गया है।

पांड्या और नताशा अपने बेटे

के साथ सोशल मीडिया पर

अमाल तक खत्म हो गया है।

पांड्या और नताशा अपने बेटे

के साथ सोशल मीडिया पर

अमाल तक खत्म हो गया है।

पांड्या और नताशा अपने बेटे

के साथ सोशल मीडिया पर

अमाल तक खत्म हो गया है।

पांड्या और नताशा अपने बेटे

के साथ सोशल मीडिया पर

अमाल तक खत्म हो गया है।

पांड्या और नताशा अपने बेटे

के साथ सोशल मीडिया पर

अमाल तक खत्म हो गया है।

पांड्या और नताशा अपने बेटे

के साथ सोशल मीडिया पर

अमाल तक खत्म हो गया है।

पांड्या और नताशा अपने

